3

Prabodhan Education Society's
Vidya Prabodhini College of Commerce, Education, Computer and Management, Parvari Goa.
Semester End Examination, Oct-Nov. 2019

Programme: B.A.B.Ed. **Subject: Hindi**
Course Code: **Corse Title: (काव्य, कथा-साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)**
Category: Elective
Semester: III Paper No: HNE-03 Time: 2 Hours Max. Marks: 70

****

सुचनाएँ :

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) प्रत्येक मुख्य प्रश्नों का उत्तर नये पन्ने पर ही शुरू करें।
3) प्रश्न क्रमांक और उपप्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।
4) दायी ओर दर्शाएँ हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

****

प्र.1.अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के लघु उत्तर लिखिए। **(2x5=10)**

1. चंद्रहार की बात जालपा के मन में कब और कैसे आयी ?
2. इंदुभूषण के मृत्यु के बाद रतन को किस बात का अफसोस होता है ?
3. देवीदीन और रमानाथ के संबंध पर प्रकाश डालिए।
4. दयानाथ का चरित्र चित्रण कीजिए।

आ. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी प्रतिशब्द दीजिए। **(10x½=05)**

1. FEES 3. U.N.O. 5.RESIDENTIAL 7. HUMAN RIGHT 9.DATA
2. INTERVAL 4. RESERVATION 6. REPORTER 8. PERCENT 10. GLOBAL MARCKET

प्र.2.अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के लघु उत्तर लिखिए। **(2x5=10)**

1. विद्यापति ने ऋतुराज वसंत का वर्णन कैसे किया है ?
2. कवि मैथिलीशरण गुप्त ने शिक्षा के बारे में क्या कहा है ?
3. 'मैं पलकों में पाल रही हूँ' कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
4. कवि नागार्जुन अपनी प्रतिबध्दता किसके प्रति दर्शाते है ?

आ. निम्नलिखित हिन्दी शब्दों के अंग्रेजी प्रतिशब्द दीजिए। **(10x½=05)**

1. संपत्ति कर 3. धर्मनिरपेक्ष 5.घुसपैठ 7. अध्यात्मिकता 9.कवायद
2. विज्ञप्ति 4. उपभोक्ता 6. निवेश 8.उच्चतम न्यायालय 10. अर्थव्यवस्था

प्र.3.निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (05)

अ.1) 'क्या सरकारी रुपये खर्च कर डालूँगा ? उस दिन तो आपसे रुपये इसलिए माँगे थे कि बाबूजी को एक जरूरत आ पड़ी थी।

अथवा

2) 'मैं उन बहू-बेटियों में नहीं हूँ। मेरा जिस वक्त जी चाहेगा जाऊँगी, जिस वक्त जी चाहेगा आऊँगी।मुझे किसी का डर नहीं है।'

प्र.3. आ.1) का सिंगार ओहि बरनौं राजा। ओहिक सिंगार ओहि पै छैजा ॥ (5)

प्रथमहि सीस कस्तूरी केसा। बलि बासुकि को और नरेसा ॥

अथवा

2) तेरे असीम आँगन की
देखूँ जगमग दीवाली,
या इस निर्जन कोने के
बुझते दीपक को देखूँ

प्र.4.अ. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 400 शब्दों में लिखिए (10)

'क्षणिक सुख के लिए मनुष्य अपने जीवन के शांति का होमो हवन करता है।' - 'गबन' उपन्यास के माध्यम से प्रस्तुत कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्र.4.आ. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

1.रतन और वकील साहब।

2.जोहरा का जीवन।

प्र.5.अ.निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 400 शब्दों में लिखिए (10)

'आँसू कविता में कवि प्रसाद के मन का विषाद और व्यथा व्यक्त हुई है।' - प्रस्तुत कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्र.5.आ.निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

1.विद्यापति वर्णित गंगा देवी की स्तुति।

2.'सो मेरे अञ्चल धन सो' कविता का भावार्थ।

प्र.6.अ. निम्नलिखित अनुच्छेद का **संक्षेपण** कीजिए। **(05)**

मनुष्य नैतिक गुणों से ही जीवनधारियों में श्रेष्ठ माना जाता है। हर व्यक्ति जीवनभर सुख की खोज में रहता है। तन के सुख मनुष्य और पशु-पक्षी सभी को समान रूप से चाहिए, किंतु मन और आत्मा के सुख केवल मनुष्यों के लिए हैं। मन के जितने भी सुख हैं, उनमें सबसे बडा हैं परोपकार का सुख। किसी अंधे को सडक पार कराने, किसी भूके को रोटी खिलाने, किसी प्यासे की प्यास बुझाने, किसी निराश -हताश को आशान्वित करने अथवा किसी लाचार, गरीब और जरूरमंद के काम आने में जो सुख मिलता है, उसकी किसी भी सुख या आनंद से तुलना नहीं की जा सकती। अपने लिए तो दुनिया में सभी प्राणी जीते हैं, पर जब हम अपने जीवन को दूसरों के लिए अर्पित कर देते हैं तो हमारा जीवन धन्य हो जाता है।

प्र.6.आ) निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर संवाद-लेखन कीजिए। **(06)**

1.'गोवा की बाढ़' विषय पर दो मित्रों के बीच हुआ संवाद।

2. 'प्लास्टिक पर प्रतिबंध' इस विषय पर ग्राहक और दुकानदार के बीच हुई बातचीत।

...............................समाप्त...............................